

ISBN 978-81-7450-898-0 (元明-年) 978-81-7450-871-3

प्रथम संस्करण : अक्तूबर 2008 कार्तिक 1930 पुनर्मुद्रण : दिसंबर 2009 पीय 1931 ⓒ ग्रन्ट्रोय शीमक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, 2008 PD 10T NSY पुस्तकमाला निर्माण समिति

कंचन सेठों, कृष्ण कृष्णर, ज्योति सेठी, ट्लटुल विश्वास, मुकेश मालवीष, राधिका मेनन, शालिनी शर्मा, लेता पाण्डें, स्वाति वर्मा, मारिका बहिण्ड, शीम कमारी, सोविका जीशिक, सुशील शुक्ल

सबस्य-समन्त्रपक - शतिका गुप्ता

चित्रांकन - कृतिका एस नहती

सन्दर्भ तथा आधरण - विधि वाधवा

ही,टी,पी, ऑपरेटर: - अर्चना पुन्छ, भीतम धीवरी, अंशुल पुन्छ

## आभार ज्ञापन

प्रोफेसा कृष्ण कृषार, निरंशक, राष्ट्रीय शैक्तिक अनुसाधान और प्रशिक्षण गरिधद, नई दिल्ली; प्रोफेसर वसुधा कामध, संयुक्त किरेशक, केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्धांगिको इस्थान, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिगय, गई दिल्ली; प्रोफेसर के. के. वहिल्ल, विभागाध्यक्ष, प्रारंभिक शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय शौकिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिशद, नई दिल्ली; प्रोफेसर समजन्य कार्या, विधागाध्यक्ष, गांचा विधान, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिगय, नई दिल्ली; प्राफेसर मंजुल्व माधुर, अध्यक्ष, गीडिंग डेक्शनपनेट सेल, राष्ट्रीय शीक्षक अनुसंधान और प्रोगक्षण परिवद, नई दिल्ली।

# राष्ट्रीय समीक्षा समिति

श्री अंशोक याज्येयी, अध्यक्ष, पूर्व कुलप्रती, पहात्मा गांधी अंतर्गाद्दीय विशे विश्वविद्यालय, वर्धा; प्रोफ्रेसर फरोदा अब्दुल्ला सान, विशायक्ष्यसः शैक्षिक अध्ययन विधाय, व्यवसा पितित्या इस्त्विषया, दिल्ली; डा. अपूर्णानर, रीहर, दिदी विष्यम, विश्वविद्यालय, दिल्ली; डा.लयनम सिन्दे, सी.ई.ओ., अक्षे.एल. एवं एफ.एस., पुंच्हें; युश्चे नुपादन इसन, निरंशक, नेशक्ल कुक दुस्ट, नई दिल्ली; श्री पीदित धनकर, निरंशक, दिर्गानर, जगपुर।

# ले क्य एवं पेपर पर पृथ्वित

प्रकलम विभाग में समित, राष्ट्रोज सैक्षिक अनुस्थान और जीवश्य चरितर, को अहीन्द्र भागे, नई हिल्ली 110606 द्वारा प्रकाशित तथा पंकाब पिटिंग प्रेस, डॉ-३8, इडरिस्ट्यन प्रिथा, सडट-ए, सथुग 281064 हमा भुदिता बरखा क्रमिक पुस्तकसाला पहली और दूससे कथा के बच्चों के लिए हैं। इसका उद्देश बच्चों को 'समझ के साथ' स्थय पहने के भीके देना हैं। बरखा को कहानियाँ बार स्तरों और पाँच कथावस्तुओं में विस्तारित हैं। बरखा बच्चों को स्वयं की खुशी के लिए पहने और स्क्रयों पाठक चनने में मदद करेगी। बच्चों को रोचमरों की छोटी-छोटों घटनाएँ कहानियाँ जैसी रोचक लगतों हैं. इसलिए 'बरखा' को सभी कहानियाँ दैनिक जीवन के अनुभवों पर आधारित हैं। इस पुस्तकपाला का उद्देश्य यह भी है कि छोटे बच्चों को पढ़ने के लिए प्रचुर मात्रा में किताबें मिलें। बरखा से पढ़ना सीखने और स्थायों पाठक बनने के साथ-साथ बच्चों को पाठ्यक्यों के हरेक क्षेत्र में सज्जानहमक लाग भिलेगा। शिक्षक बरखा को पाठ्यक्यों के हरेक क्षेत्र में सज्जानहमक लाग भिलेगा। शिक्षक बरखा को समझा कक्षा में ऐसे स्थान पर रखें जहाँ से बच्चे आसानों से किताबें उत्त सकें।

### युवाधिकार साक्षित

प्रकारक की पूर्वसमुख्ये के बिना इस प्रकारन के किसी जरा को छगना तथा एलेक्ट्रिनिकी, प्रश्नीन, फोटोडिक्सिप, विकारिक अध्यक किसी अन्य किथ से पुरः प्रकार कर्षात द्वार उसका संस्थान अध्यक्ष प्रकार वर्षिक है।

### एन,सी,ई,आर,टी, के प्रकारन विभाग के कार्यसम

- एव.पी.ई.खा.टी. कैंक्स, को अपवित् जाएं, बडी क्लिसे 110 046 कोच : 011-26562008.
- (10) वर्गीय संदर्भ मेली एक्स्प्रेशन संबद्धिये कार्यकारी (श) प्रदेश, बेडसूर १६६६ (१६५)
  क्षेत्र : (10) -20225740
- नवर्जीवन द्वार भवन, द्वारपास नवर्जीवन, अहमदाबाद ३४० २०४ क्योग । १७११-२७५४४४४४-
- स्टेडक्क्यूनी, कैपन, निरुद्धः भनकत्त्व यत्त उद्योग प्रनिद्धते, कोलकान २०० । ३४ क्षेत्रः । ११४-३६९१/१४२०
- भेरकसपुर्भाः कोम्बोक्यः, मानोवीनः, गुजराधी (छ। धरे। प्रेमेन : 0161-267400)

#### प्रकाशन सहयोग

अध्यक्ष, प्रभवाका विभाग : गौ. राजाकृत्यप मुख्य संगादक : श्लाह सम्बन् मृत्य उत्पादन अधिकारी : क्रिय कुमार भूतम ज्याभार प्रबंधक : सीवस समिती





एक दिन काजल बगीचे में गई। बगीचे में बहुत सारी तितलियाँ थीं।





काजल सबसे बड़ी तितली के पीछे-पीछे भागी। उस तितली के पंख नीले, पीले और लाल रंग के थे।





तितली उड़कर गेंदें के फूल पर बैठ गई। काजल उसके पीछे भागी।

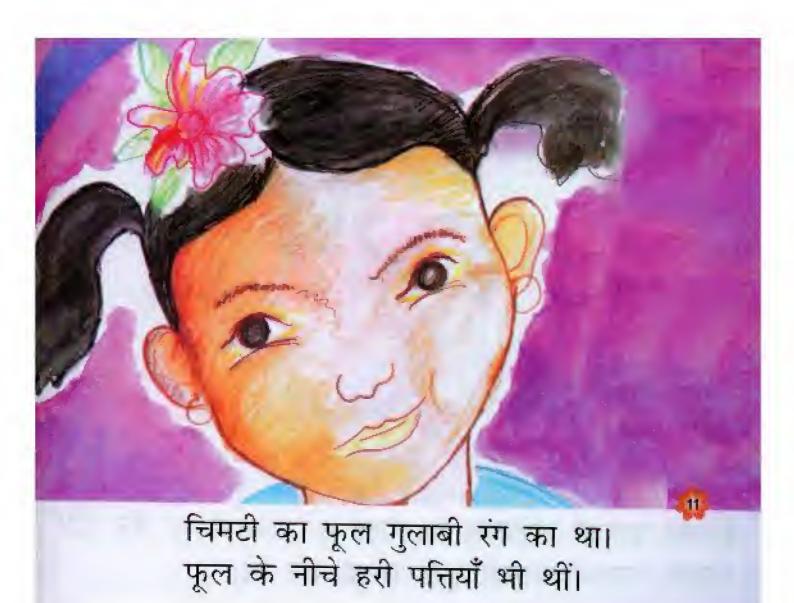








सोफ़िया भी बाग में थी। उसने बालों में फूलवाली चिमटी लगायी हुई थी।





तितली उड़कर सोफ़िया के बालों की चिमटी पर बैठ गई। तितली उसको असली फूल समझ रही थी।



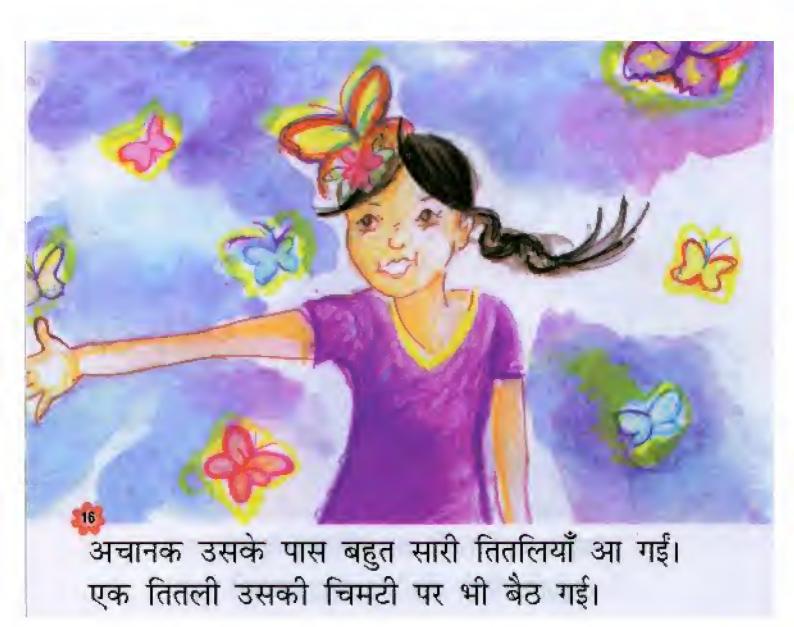
तितली उड़ गई तो काजल ने सोफ़िया से चिमटी ले ली। उसने अपने बालों में वह चिमटी लगा ली।



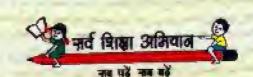
काजल चिमटी लगा कर वहीं बैठ गई। वह चुपचाप बिना हिले-डुले बैठी रही।



काजल तितली का इंतज़ार करती रही। काजल बैठी-बैठी इंतज़ार करती रही।









₹.10.00

राष्ट्रीय शेक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

> 1SBN 978-81-7450-898-0 (बरका-सेंट) 978-81-7450-871-3